मानव रहित समपार फाटक समाप्त

संवाद सहयोगी, दर्भंगा : दक्षिण पूर्व रेलवे के आद्रा मंडल ने पूर्व जोन में सबसे पहले भारतीय रेल के सितंबर 2018 तक सभी मानव रहित समपार फाटकों को समाप्त करने के मिशन को एक माह पहले ही पूरा कर बड़ी उपलब्धि हासिल की है। यह कार्य मंडल रेल प्रबंधक शरद कुमार श्रीवास्तव के मार्गदर्शन के अधीन संपन्न किया गया। मंडल रेल प्रबंधक शरद कुमार श्रीवास्तव ने शनिवार को कार्यालय में बताया कि आंकड़ों के अनुसार एक अप्रैल 2017 तक आद्रा मंडल में कुल 115 मानव रहित समपार फाटक थे। इन मानव रहित समपार फाटकों में से 75 फाटकों में प्रहरी तैनात किया गया। जबकि 28 मानव रहित समपार फाटकों पर लिमिटेड हाइट सबवे का निर्माण कर उन्हें बंद किया गया। इस क्रम में 9 मानव रहित समपार फाटकों का मार्ग परिवर्तित कर दूसरे समपार तक उन्हें जोड़कर उन्हें खत्म किया गया तथा 3 मानव रहित समपार फाटकों को बंद कर उन्हें खत्म किया गया। आद्रा मंडल के 25 समपार फाटकों को ऑटम टेक्नोलॉजी के उपयोग से पूर्वनिर्मित सामग्रियों से लैस किया गया। इससे ट्रेन परिचालन और भी बेहतर होगा। मंडल रेल प्रबंधक शरद कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि संरक्षा और सुरक्षा परिचालन की दृष्टि से यह कार्य अत्यंत महत्वपूर्ण और आवश्यक था जिसे मंडल के अधिकारियों व कर्मचारियों ने सफलतापूर्वक पूरा किया।

जानकारी देते आद्रा के डीआरएम शरद कुमार श्रीवास्तव एवं उपस्थित अन्य • जागरण

आद्रा डिभिशने प्रहरीबिहीन रेल क्रसिंग निये आलोचना सभा

सংবাদদাতা, রঘুনাথপুর: শনিবার দক্ষিণ-পূর্ব রেলওয়ের আদ্রা ডিভিশনের পক্ষ থেকে প্রহরীবিহীন রেল ক্রসিং নিয়ে একটি আলোচনা সভা হয়। এদিন দক্ষিণ-পূর্ব রেলের আদ্রার ডিভিশনাল ম্যানেজার শরদ কুমার শ্রীবাস্তবা বলেন, রেল বোর্ডের নির্দেশিত সময়ের আগেই সমস্ত প্রহরীবিহীন লেভেল ক্রসিং বন্ধ করে ঐতিহাসিক সাফল্য অর্জন করে। এতে একদিকে যেমন কমেছে দুর্ঘটনা, তেমনি সফলতা মিলেছে যাত্রী সুরক্ষার। এদিন প্রহরীবিহীন রেল ক্রসিংগুলিতে প্রায় সিল দুর্ঘটনা ঘটিত সেই সমস্ত রেল বোর্ড নির্দেশ দেয়, অবিলম্বে প্রহরীবিহীন রেল ক্রসিংগুলি বন্ধ করে দিতে হবে। সেই মতো কাজ শুরু হয়।

আদ্রা ডিভিশন সূত্রে জানা গিয়েছে, ডিভিশনের মধ্যে ১১৪টি প্রহরীবিহীন রেল ক্রসিং ছিল। তার মধ্যে ৭৫টিতে প্রহরী দেওয়া হয়েছে।

বাকি কিছু প্রহরীবিহীন রেল ক্রসিং বন্ধ করে সেতু হয়েছে এবং কিছু গেটের ধরণ বদল করে চালু করা হয়েছে। এদিন আলোচনা অনুষ্ঠানে উপস্থিত ছিলেন সিনিয়র ডিভিশন ইঞ্জিনিয়ার এইচ সিং, সেকশন ডিভিশন ইঞ্জিনিয়ার এম কে মিনা, সর্ব ডিভিশন ইঞ্জিনিয়ার সঞ্জয় আনোয়ার আলি, ইই ডিভিশন ইঞ্জিনিয়ার রাজেশ সিং প্রমুখ।

আমার সাফল্য বেলেঘাটা

আগেভাগেই প্রহরীবিহীন সব গেট বন্ধ

समपार फाटकों को समाप्त कर आद्रा मंडल ने रचा इतिहास

आद्रा : दक्षिण पूर्व रेलवे के आद्रा मंडल ने दक्षिण पूर्व रेलवे के पूर्व जोन में सबसे पहले सभी प्रहरीरहित समपार फाटकों को समाप्त कर दिया। यहां कहा दे कि भारतीय रेलवे ने सितंबर 2018 तक सभी प्रहरीरहित समपार फाटकों (कीपर सुरक्षा नहीं वाले रेल गेट) को समाप्त करने का लक्ष्य रखा था, जिसे आद्रा मंडल रेल प्रशासन ने लक्ष्य से एक माह पहले ही पूरा कर एक बड़ी उपलब्धि हासिल की। मंडल रेल प्रबंधक शरद कुमार श्रीवास्तव के मार्गदर्शन के अधीन संपन्न किया गया। मंडल रेल प्रबंधक शरद कुमार श्रीवास्तव ने शनिवार को कार्यालय में बताया कि आंकड़ों के अनुसार एक अप्रैल 2017 तक आद्रा मंडल में कुल 115 मानव रहित समपार फाटक थे। इन मानव रहित समपार फाटकों में से 75 फाटकों में प्रहरी तैनात किया गया। जबकि 28 मानव रहित समपार फाटकों पर लिमिटेड हाइट सबवे का निर्माण कर उन्हें बंद किया गया। इस क्रम में 9 मानव रहित समपार फाटकों का मार्ग परिवर्तित कर दूसरे समपार तक उन्हें जोड़कर उन्हें खत्म किया गया तथा 3 मानव रहित समपार फाटकों को बंद कर उन्हें खत्म किया गया। आद्रा मंडल के 25 समपार फाटकों को ऑटम टेक्नोलॉजी के उपयोग से पूर्वनिर्मित सामग्रियों से लैस किया गया। इससे ट्रेन परिचालन और भी बेहतर होगा। मंडल रेल प्रबंधक शरद कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि संरक्षा और सुरक्षा परिचालन की दृष्टि से यह कार्य अत्यंत महत्वपूर्ण और आवश्यक था जिसे मंडल के अधिकारियों व कर्मचारियों ने सफलतापूर्वक पूरा किया।

पुलिसिया ने पत्रकारवार्ताओं को सम्बोधित करते आद्रा के डीआरएम एस. के. श्रीवास्तव

आदा मंडल ने मानव रहित फाटकों को किया खत्म

आद्रा मंडल कार्यालय में मंडल रेल प्रबंधक व अन्य अधिकारीगण

संवाददाता, आद्रा मंडल ने दक्षिण पूर्व रेलवे के पूर्व जोन में भारतीय रेल के सितंबर 2018 तक सभी मानव रहित समपार फाटकों को समाप्त करने के मिशन को एक माह पहले ही पूरा कर एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। यह कार्य मंडल रेल प्रबंधक शरद कुमार श्रीवास्तव के मार्गदर्शन के अधीन संपन्न किया गया। मंडल रेल प्रबंधक शरद कुमार श्रीवास्तव ने शनिवार को कार्यालय में बताया कि आंकड़ों के अनुसार एक अप्रैल 2017 तक आद्रा मंडल में कुल 115 मानव रहित समपार फाटक थे। इन मानव रहित समपार फाटकों में से 75 फाटकों में प्रहरी तैनात किया गया। जबकि 28 मानव रहित समपार फाटकों पर लिमिटेड हाइट सबवे का निर्माण कर उन्हें बंद किया गया। इस क्रम में 9 मानव रहित समपार फाटकों का मार्ग परिवर्तित कर दूसरे समपार तक उन्हें जोड़कर उन्हें खत्म किया गया तथा 3 मानव रहित समपार फाटकों को बंद कर उन्हें खत्म किया गया। आद्रा मंडल के 25 समपार फाटकों को ऑटम टेक्नोलॉजी के उपयोग से पूर्वनिर्मित सामग्रियों से लैस किया गया। इससे ट्रेन परिचालन और भी बेहतर होगा। मंडल रेल प्रबंधक शरद कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि संरक्षा और सुरक्षा परिचालन की दृष्टि से यह कार्य अत्यंत महत्वपूर्ण और आवश्यक था जिसे मंडल के अधिकारियों व कर्मचारियों ने सफलतापूर्वक पूरा किया।

आद्रा मंडल ने रचा इतिहास, सारे प्रहरी रहित रेल फाटक समाप्त

- लक्ष्य प्राप्त करने वाला दक्षिण पूर्व रेलवे जोन का बना पहला मंडल
- तय समय के पहले ही हासिल की उपलब्धि, डीआरएम ने जारी किया आँकड़ा

अपनी टीम के अधिकारियों के साथ डीआरएम शरद कुमार श्रीवास्तव

आद्रा : दक्षिण पूर्व रेलवे के आद्रा रेल मंडल ने दक्षिण पूर्व रेलवे के पूर्व जोन में सबसे पहले सभी प्रहरीरहित समपार फाटकों को समाप्त कर दिया। यहां कहा दे कि भारतीय रेलवे ने सितंबर 2018 तक सभी प्रहरीरहित समपार फाटकों (कीपर सुरक्षा नहीं वाले रेल गेट) को समाप्त करने का लक्ष्य रखा था, जिसे आद्रा मंडल रेल प्रशासन ने लक्ष्य से एक माह पहले ही पूरा कर एक बड़ी उपलब्धि हासिल की। यह कार्य मंडल रेल प्रबंधक शरद कुमार श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में मंडल के इंजीनियरी विभाग द्वारा किया गया, जिसका नेतृत्व चीफ मंडल इंजीनियर (समपार) हरिकिशन सिंह, चीफ मंडल संरक्षा अधिकारी दिवाकर भारती, मंडल इंजीनियर (समपार) एम.के. मीणा, मंडल इंजीनियर (उत्तर) वीरेन्द्र अनवर अली, मंडल इंजीनियर (पूर्व) रंजीत सिंह के सहयोग से किया गया। जानकारी के अनुसार इस कार्य पहले अप्रैल 2017 तक आद्रा मंडल में कुल 115 प्रहरीरहित समपार फाटकों में से 75 फाटकों में प्रहरी तैनात किया गया था। जबकि 28 मानव रहित समपार फाटकों पर लिमिटेड हाइट सबवे का निर्माण कर उन्हें बंद किया गया था। इस क्रम में 9 प्रहरीरहित समपार फाटकों का मार्ग परिवर्तित कर दूसरे समपार तक उन्हें जोड़कर उन्हें खत्म किया गया तथा 3 प्रहरी रहित समपार फाटकों को बंद कर उन्हें खत्म किया गया था। आद्रा मंडल के 25 समपार फाटकों को ऑटम टेक्नोलॉजी के उपयोग से पूर्वनिर्मित सामग्रियों से लैस किया गया था। इससे ट्रेन परिचालन और भी बेहतर होगा तथा मंडल में संरक्षा और भी बेहतर रूप से सुनिश्चित हो सकेगी। डीआरएम श्रीवास्तव ने बताया कि संरक्षा और सुरक्षा परिचालन की दृष्टि से यह कार्य अत्यंत महत्वपूर्ण और आवश्यक था जिसे मंडल के अधिकारियों व कर्मचारियों ने सफलतापूर्वक पूरा किया है।

ट्रैक, अन्य अनुरक्षण के लिए शैडो ब्लॉक आज से

आसनसोल : पूर्व-मध्य रेलवे के धनबाद मंडल अंतर्गत बढ़ैया एवं सलमडीह के ट्रायल मेन लाइन पर दिनांक 2 सितंबर, 9 सितंबर, 16 सितंबर, 23 सितंबर, 30 सितंबर तथा 7 अक्टूबर को 09.50 से 13.50 तक चार घंटों का मेगा ब्लॉक किया जायेगा। इस दौरान ये आपने एक साइ तक प्रत्येक रविवार को यह ब्लॉक रहेगी। उपर्युक्त मेगा ब्लॉक के आलोक में आसनसोल मंडल द्वारा 11.09 घंटे से 15.00 घंटे तक मेन लाइन सेक्शन में शैडो ब्लॉक का उपयोग किया जायेगा। इसके परिणामस्वरूप 63565/63566 जसीडीह-झाझा-जसीडीह को दिनांक 2 सितंबर, 9 सितंबर, 16 सितंबर, 23 सितंबर, 30 सितंबर तथा 7 अक्टूबर को रद्द रहेगी। मंडल रेल प्रशासन ने ट्रेन यात्रियों से अपील की है कि वे यात्रा करने से पूर्व ट्रेनों की जानकारी ले लें ताकि उन्हें किसी असुविधा के लिए खेद जाहिर है।